वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 193 | मंगलवार 8 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजपूत वोटरों को साधने हिमाचल पहुंचीं सांसद दीया कुमारी

यूथ और गैर राजपूत वोट बैंक पर कांग्रेस की नजर, सचिन पायलट को कमान

जयपुर. कासं

राजस्थान के राजसमंद से सांसद और जयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य दीया कुमारी हिमाचल प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करेंगी। राजस्थान के बीजेपी नेताओं में वह इकलौती महिला नेता हैं, जिन्हें हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार में उतारा गया है। हिमाचल प्रदेश में बड़ी तादाद में राजपूत वोटर हैं। जिनकी संख्या 32.72 फीसदी यानी 24 लाख 54 हजार के करीब है। हिमाचल प्रदेश में अब तक 6 में से 5 मुख्यमंत्री राजपूत ही रहे हैं। ऐसे में बड़े राजपूत वोट बैंक को साधने के लिए बीजेपी ने राजस्थान की राजपूत समाज से सांसद दीया कुमारी को जिम्मा सौंपा है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को गैर राजपूत और यूथ वोटर्स को साधने हिमाचल प्रदेश में ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक के तौर पर भेजा है। दोनों राजस्थान के नेता हिमाचल में अपने-अपने अंदाज में वोटर्स को साधने में जुट गए हैं। दोनों यूथ हैं और युवाओं की पसंद हैं। दीया कुमारी ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के नाहन जिले पहुंचकर चुनाव प्रचार शुरू भी कर दिया है। 8 नवंबर को दीया नाहन जिला मुख्यालय के चौगान ग्राउंड पर एक बड़ी चुनावी रैली और सभा को संबोधित करेंगी। हिमाचल प्रदेश के पूर्व विधानसभाध्यक्ष और बीजेपी प्रत्याशी राजीव बिंदल के समर्थन में होने वाली विजय संकल्प रैली को केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी और केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल सिंह गुर्जर के साथ राजसमंद सांसद दीया कुमारी भी संबोधित करेंगी। 2019 लोकसभा चुनाव में दीया कुमारी भारत की सभी महिला प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 5 लाख 51 हजार 916 वोटों से जीती थीं। दीया को 8 लाख 63 हजार 39 वोट मिले थे। जबकि उनके सामने खड़े प्रत्याशी देवकीनंदन गुर्जर को 3 लाख 11 हजार 123 वोट मिले थे। दीया ने पहला ही लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड वोटों से जीतकर संसद में धमाकेदार एंट्री की थी। दीया कुमारी की दादी स्वर्गीय महारानी गायत्री देवी राजस्थान से पहली महिला सांसद चुनी गई थीं। वह 1962 में स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर जयपुर से चुनाव जीती थीं। इसके बाद उन्होंने दो बार और लोकसभा का चुनाव जीता।

कांग्रेस ने सचिन पायलट को बनाया ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक

कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान से सचिन पायलट को हिमाचल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में कैम्पेनिंग का जिम्मा सौंपा है। उन्हें हिमाचल प्रदेश का चुनाव ऑब्जर्वर और स्टार प्रचारक बनाया गया है। पायलट की आज हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में बड़ी जनसभा है। इसके बाद सोलन जिले के बद्दी में दूव विधानसभा क्षेत्र की जनसभा रखी गई है। कुल्लू जिले के आनी विधानसभा क्षेत्र और मंडी डजेल के सुंदर नगर विधानसभा क्षेत्र में भी पायलट आज चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। कल पायलट ने कांगड़ा जिले के सुल्लाह, पालमपुर, नुरपुर और ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। पायलट के साथ उनके समर्थक चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी भी हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रार में जुटे हैं। पालमपुर में पायलट का बड़ा स्वागत हुआ। जहां सचिन पायलट को देखने भीड़ उमड़ गई। सचिन पायलट ने ट्वीट कर कहा- "भाजपा के कुशासन से त्रस्त जनता अब हिमाचल की खुशहाली के लिए 12 नवंबर को हाथ के निशान पर वोट कर भाजपा को करारा जवाब देने के लिए आतुर है।"

गैर राजपूत और यूथ वोटर को कांग्रेस के पक्ष में साधने की कोशिश

हिमाचल प्रदेश के गैर राजपूत और यूथ वोटर्स को कांग्रेस के पक्ष में साधने के लिए कांग्रेस ने सचिन पायलट को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। हिमाचल के गुर्जर भी केंद्र की एनडीए सरकार से नाराज बताए जा रहे हैं, क्योंकि एसटी में अन्य जातियों को भी शामिल कर लिया गया है। सचिन पायलट ऐसे में गुर्जर और पहले से एसटी रही जातियों की नाराजगी को कांग्रेस के पक्ष में वोट के तौर पर भुना सकते हैं। एआईसीसी ने सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल के साथ हिमाचल की जिम्मेदारी सौंपी है। सीएम अशोक गहलोत को गुजरात और पायलट को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों में जिम्मेदारी देने को सियासी संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

अधिकारी बर्ड वॉचिंग में मस्त, खतरे में परिंदों का ठिकाना

जयपुर. कासं। राजधानी जयपुर से तकरीबन 25 किलोमीटर दूर बर्ड लवर्स का आकर्षण का केंद्र बन चुका प्रवासी परिंदों का ठिकाना बरखेड़ा अब खतरे में है। बरखेड़ा वॉटर बॉडी के पास लगातार हो रहे मिट्टी के कटाव के चलते यहां पिछले कुछ समय से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है जिससे सैकड़ों साल पुराने तीन विशालकाय वृक्ष गिर चुके हैं और अन्य वृक्षों के गिरने का भी खतरा पैदा हो गया है, यदि कटाव को जल्द नहीं रोका गया तो आने वाले समय में ना केवल बरखेड़ा का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ेगा बल्कि हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर आने वाले प्रवासी परिंदों का पसंदीदा ठिकाना भी नष्ट हो जाएगा। गौरतलब है कि बरखेड़ा में तकरीबन 70 से अधिक प्रजातियों के परिंदे बर्ड लवर्स को सर्दी के मौसम में देखने को मिलते है।

दो माह में ढहे सैकड़ों साल पुराने तीन वृक्ष

जानकारी के मुताबिक प्रवासी परिंदों का ठिकाना बन चुके बरखेड़ा में पिछले दो माह में तीन वृक्ष जड़ से टूट कर गिर चुके हैं। इनमें से दो वृक्ष पिछले दो दिनों में ही गिरे हैं। यह वह पेड़ हैं जो बरखेड़ा की वॉटर बॉडी के किनारे में सैकड़ों सालों से लगे हुए थे। जिन पर सैकड़ों परिंदे अपना ठिकाना बनाते थे। स्थानीय निवासी और बच्चे जिसकी छांव में बैठक कर आराम करते थे। बरगद के इन विशाल वृक्षों पर एशियन कोयल, शिकारा, पिग्मी गूज, यलो फुटेट ग्रीन पीजन, स्पॉटेट आउलेट, पिग्मी गूज, कॉमन मैना, कोरमोरेंट, व्हाइट ब्रेस्टेड वॉटर हैन, रोज रिंग्ड पैराकीट ना केवल अपना घर बनाए हुए थे, बल्कि पेड़ों से उन्हें भोजन भी मिल रहा था लेकिन पेड़ों के गिरने से उनका बसेरा ही छिन गया है।

जिम्मेदार मौन, नहीं ले रहे रुचि

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पीसीसीएफ अरिजीत बनर्जी भी वहां पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने गिरे हुए पेड़ों में कोई रुचि नहीं दिखाई। उनका कहना था कि वह यहां बर्ड वॉचिंग करने आए हैं ना कि गिरे हुए पेड़ देखने और वह अपना समय और दिन ऐसे फालतू कामों में बरबाद भी नहीं करना चाहते। वहीं स्थानीय नागरिकों का भी कहना है कि उन्होंने इन पेड़ों की सूचना स्थानीय पटवारी और सरपंच को भी दी लेकिन किसी ने इन दो माह में यहां झांक कर तक नहीं देखा। पेड़ों के गिरने से मार्ग भी बाधित हो गया है, ऐसे में अब वहां से वाहन लेकर निकलना भी संभव नहीं रहा है।

देवाधिदेव 1008
श्री आदिनाथाय नमः

।। देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथाय नमः ।।
।। श्री विद्यासागराय नमः ।।

परम श्रद्धेय अन्तर्यात्री महापुरुष, अपराजेय साधक,
युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य,
संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी
महामुनिराज के
स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस
के पावन उपलक्ष्य में

निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108
सुधा सागर जी महाराज

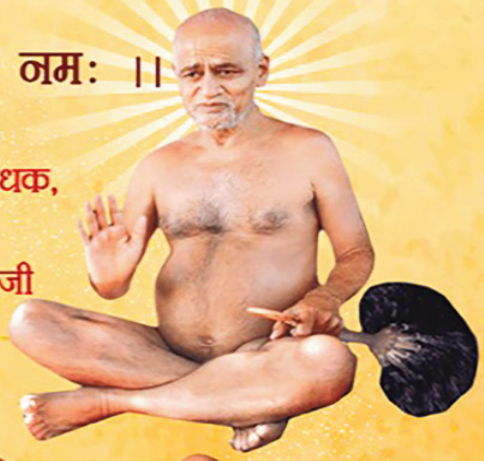

मुनि श्री 108
पूज्य सागर जी महाराज

ऐलक श्री 105
धैर्य सागर जी महाराज

क्षुल्लक श्री 105
गंभीर सागर जी महाराज

50वां स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस

महा आरती

मार्गशीर्ष कृष्ण 2

दिनांक - 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे

भारत की दिगम्बर जैन समाज से राष्ट्रीय महिला महासमिति,
आह्वान करती है कि अपने अपने मंदिर में या विशेष स्थान पर सामूहिक महाआरती करें।
सबके हाथों में दीपक होना चाहिये।
सामने आचार्य भगवान की फोटो रखें और उपर बैनर लगायें तथा साथ में बड़ी घड़ी लगायें।
आचार्य श्री की महाआरती हेतु लाउडस्पीकर का प्रबन्ध अवश्य करें।
कार्यक्रम की फोटो और वीडियो बनायें तथा अपने अपने क्षेत्र के अखबारों में प्रचार-प्रसार करें।

श्रीमति सुशीला पाटनी
(आर. के. मार्बल ग्रुप)
परम शिरोमणि व राष्ट्रीय परामर्शक

आओ हम सब मिलकर, बनायें वर्ल्ड रिकॉर्ड

राष्ट्रीय संयोजक

श्रीमति शीला डोडिया
मुख्य समन्वयक
व
राष्ट्रीय अध्यक्षा

श्रीमति संगीता कासलीवाल, मुम्बई
डॉ. वन्दना जैन, जयपुर
श्रीमति शालिनी बाकलीवाल, जयपुर
श्रीमति मन्जू अजमेरा, इन्दौर
श्रीमति डिम्पल गदिया, पुणे
श्रीमति इन्दु गाँधी, अशोक नगर (म.प्र.)

श्रीमति सुधा गंगवाल, गुवाहाटी
श्रीमति शोभा जैन, छत्तीसगढ
श्रीमति शोभा ताई, सदलगा (कर्नाटक)
श्रीमति अलका जैन, मदुराई
श्रीमति कल्पना जैन, देहरादून
श्रीमति मीना बगड़ा, आसाम

श्रीमति अलका जैन, दिल्ली
श्रीमति प्रीति जैन, अहमदाबाद
श्रीमति अनीता जैन, कोलकाता
श्रीमति शांता जैन, हरियाणा
श्रीमति समता गोदिका, जयपुर

कृपया महाआरती का एक मिनट का वीडियो बनाकर दिये गये नम्बर पर भेजें
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें तथा वीडियो और न्यूज़ कवरेज दिये गये नम्बर पर भेजें:
संयोजक: श्री अजय जैन मोहनबाड़ी, अरिहन्त नाट्य संस्था, जयपुर
+91-88548-8400, +91-76150-60671

आयोजक: राष्ट्रीय महिला महासमिती

परिवार सेमिनार का भव्य आयोजन

सामूहिक जीवन की प्रयोगशाला है परिवारः मुनि जिनेश कुमार

कटक, उड़ीसा. शाबाश इंडिया

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेश कुमार जी ठाणा-3 के सान्निध्य में परिवार सेमिनार' आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा प्रणीत परिवार के साथ कैसे रहे' पुस्तक आधारित श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा शहीद भवन में आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य-सुखी परिवार, स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र था। विषय-परिवार के साथ कैसे रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि उड़ीसा सरकार के कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र ढोलकिया, मुख्य वक्ता मुम्बई-महाराष्ट्र कस्टम विभाग के कमिश्नर अशोक कोठारी, सम्मानीय अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव (महावीर इन्टरकोन्टिनेटल सर्विस अगेर्नाइजेशन) लोकेश कावड़िया व छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष अशोक जैन थे। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप में उपस्थित थे। सेमिनार में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री जिनेश कुमार जी ने कहा - समाज की सबसे छोटी किंतु महत्वपूर्ण इकाई है-परिवार सात वार तो सभी जानते है पर आठवां वार है-परिवार। परिवार का अर्थ है - जहां सुख-दुःख बांटकर भोगे जाते हैं, जहाँ रिश्तों की अच्छी तरह से परवरिश होती है। दूसरे शब्दों में निकटवर्ती सहवर्ती व्यक्तियों के समूह का नाम परिवार है। परिवार सामूहिक जीवन की प्रयोग शाला है। परिवार भारतीय संस्कृति का आदर्श है। परिवार स्नेहिल भावनाओं का मुख्यालय है, परिवार सत्यम्, शिवम् सुन्दरम् का शिवालय है, मानवीय गुणों का सचिवालय है। परिवार वह आश्रय स्थान है जहां आकर व्यक्ति शीतलता का अनुभव करता है। परिवार एक मौलिक व सर्व व्यापी संस्था है। परिवार बगीचा व गुरुकुल के समान है। मुनि जिनेश कुमार ने आगे कहा आतिथ्य परिवार का वैभव है, प्रेम परिवार की प्रतिष्ठा है, व्यवस्था परिवार की शोभा है सदाचार परिवार की सुवास है, समाधान परिवार का सुख है आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी महान ज्ञानी संत थे उन्होंने अपनी सूक्ष्म मेधा से विपुल साहित्य की रचना की।

पूनम तिलक को किया गया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर 24 घंटे मोटिवेशनल स्पीच देने का वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर सौरभ जैन द्वारा श्रीमती पूनम तिलक को 8 घंटे लगातार मोटिवेशनल स्पीच सुनने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया

आचार्य श्री सुनील सागर जी ने कहा...

जिनवाणी कहती है कि तुम जैसा करोगे वैसा ही फल मिलेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। भट्टारकजी की नसिया में आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज के सानिध्य मे कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन चल रहा हैं । प्रातः कुबेर इन्द्र मुकेश जैन ब्रह्मपुरी, एवं ओमप्रकाश काला विद्याधर नगर वालों ने तथा अंकित जैन, शांति कुमार सौगाणी ने भगवान को पंडाल में विराजमान किया। भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ , उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठा चार्य प. सनत् कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान का विधिवत शुभारंभ किया।

आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए कूकस जैन मंदिर के सभी पदाधिकारी गण शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले व अन्य ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान के षष्टम दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे व जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। दिनांक 8 नवम्बर को कल्पद्रुम विधान महामंडल के अंतर्गत प्रातः 6:30 जलाभिषेक पंचामृत अभिषेक और शांति धारा होगी आज विधानमंडल में 23 पूजा संपन्न हो चुकी हैं कल अन्तिम पूजा होंगी। ईशान इंद्र विनय सोगानी ने धर्म सभा में प्रश्न किया जिनेंद्र देव कहते हैं कोई किसी का करता नहीं है पर दुनिया में बनती है कि ईश्वर इस दुनिया का करता है कृपया समाधान करें। आचार्य भगवन्त श्री सुनील सागर गुरुवर उपदिष्ट हुए...

रामायण में खर दूषण का सन्मती सागरों में विद्याभूषण का, माताजियों में स्वस्ति भूषण का, क्रिकेट में विराट का, संतों में तपस्वी सम्राट का बड़ा ही महत्व है।

पिच्छी परिवर्तन हुआ है, तो हृदय का भी परिवर्तन होना चाहिए। पिच्छी धीरे-धीरे अपनी कोमलता छोड़ देती है तीखी हो जाती है उससे चींटी का घात भी हो सकता है, इसलिए पिच्छी का परिवर्तन किया जाता है। इसी के अनुरूप हृदय में से तीखापन हटा लीजिए, हृदय की कोमलता सदैव बनी रहनी चाहिए। भीतर के बगीचे को पानी दो, बाहर के बगीचे को छोड़ दो। साधु मुनि भीतर के बगीचे को संभालते हैं आत्मा के बगीचे को संभालते हैं। बाहर के बगीचे को वे ध्यान नहीं देते हैं। जिनवाणी कहती है तुम जैसा करोगे वैसा फल मिलेगा। ईश्वर ही अगर सब कुछ करेगा तो पाप पुण्य का लेखा कौन रखेगा। वास्तव में भगवान हैं सर्वव्यापी हैं वीतरागी हैं । समंत भद्र स्वामी कहते हैं भगवान वीतरागी हैं आप चाहे चटक चढ़ावे या गोला चढ़ावे या गीला नारियल चढ़ाओ कोई फर्क नहीं पड़ता। पर वीतरागी देव की स्तुति करने से सब कुछ मंगल हो जाता है प्रभु हमारे कर्ता नहीं है अकर्ता है हम भी अकर्ता ही रहे। हर जगह तर्क नहीं लगाया जाता है जहां तर्क है वहां नर्क है, जहां विवेक है वहां स्वर्ग है।

वेद ज्ञान

अपने चरित्र के प्रति रहें गंभीर

आज एक संपूर्ण व्यक्तित्व की जरूरत है। व्यक्ति में तीन प्रकार की क्षमताएं होती हैं-सहज, अर्जित और ओढ़ी हुई। सहज क्षमता किसी-किसी में होती है। सहज क्षमता जिसमें होती है उसका व्यक्तित्व काफी अंशों में पूर्ण होता है। वह जो कुछ सोचता है, उसे उसी रूप में निष्पन्न कर लेता है। कार्य की निष्पत्ति के लिए न तो निरर्थक दौड़-धूप करनी पड़ती है और न ही वह किसी अवसर को खो सकता है। सहज-समर्थ व्यक्ति अपने काल को इतना उजागर कर देता है कि शताब्दियों-सहस्त्राब्दियों तक वह युग के चित्रपट पर मूर्तिमान रहता है। कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जो बहुत ही साधारण व्यक्तित्व लेकर इस धरती पर आते हैं, किंतु अपने पुरुषार्थ से चमक जाते हैं। उन्हें व्यक्तित्व-विकास के लिए जो भी अवसर मिलता है वे मुक्तभाव से उसका उपयोग करते हैं। इनकी क्षमता अर्जित होती है, फिर भी कालांतर में वह स्वाभाविक-सी बन जाती है। ऐसे व्यक्ति भी अपने समाज और देश को दुर्लभ सेवाएं दे सकते हैं। इसीलिए ऐसे व्यक्तियों के लिए विद्वान डोनाल्ड एम. नेल्सन को कहना पड़ा कि हमें यह मानना बंद कर देना चाहिए कि ऐसा कार्य जिसे पहले कभी नहीं किया गया है, उसे किया ही नहीं जा सकता है। तीसरी पंक्ति में वे व्यक्ति आते हैं, जिनके पास न तो सहज क्षमता होती है और न वे क्षमता का अर्जन ही कर पाते हैं। किंतु स्वयं को सक्षम कहलाना चाहते हैं। कोई दूसरा उन्हें मान्यता दे या नहीं, वे अपने आप महत्वपूर्ण बन जाते हैं। इस आरोपित क्षमता से कभी कोई विकास हो, संभव नहीं लगता। ओढ़ी हुई क्षमता वाले व्यक्ति गरिमापूर्ण दायित्व को ओढ़कर भी उसको निभा नहीं सकते। विचारक जॉन वुडन ने कहा भी है कि अपने सम्मान के बजाय अपने चरित्र के प्रति अधिक गंभीर रहें। आपका चरित्र ही यह बताता है कि आप वास्तव में क्या हैं, जबकि आपका सम्मान केवल यही दर्शाता है कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं। कोई आज छाया में इसलिए बैठा हुआ है, क्योंकि किसी ने काफी समय पहले एक पौधा लगाया था। ऐसे पौधे लगाने वालों के अनेक उदाहरणों से विश्व-इतिहास भरा पड़ा है। सिर्फ समझ का दरवाजा खोलने की जरूरत है। अगर समझपूर्वक जीना आ गया तो जीवन के प्रत्येक धरातल पर विकास की सरिता स्वतः प्रवाहित होने लगेगी।

संपादकीय

राजनीतिक और प्रशासनिक कमजोरियां

मोरबी की घटना काफी हद तक दूर हो गई सुर्खियों से। काश, ऐसा न हुआ होता। इसलिए कि कुछ हादसे ऐसे हैं, जिनके मलबे में दिखती हैं भारत की राजनीतिक और प्रशासनिक कमजोरियों की तस्वीरें। मोरबी के उस टूटे पुल के मलबे को टटोलने का कष्ट आप करेंगे तो आपको दिखेगा एक ऐसा आईना। उस आईने में सबसे पहले दिखेगा कि बेमौत मारे गए थे मोरबी के एक सौ पैंतीस लोग, जिनमें बच्चों और औरतों की गिनती ज्यादा थी। कोई बड़ी प्राकृतिक आपदा आई होती, तो शायद समझ में आती मोरबी के उस अधिकारी की बात, जिसने हादसे के बाद कहा कि भगवान की मर्जी से यह हादसा हुआ था। यह न सिर्फ झूठ, बल्कि शर्मनाक झूठ है। सैर करने निकले थे वे लोग, जो पुल के टूटने से मरे थे। उनको मालूम होता कि पुल पर जाने से उनकी और उनके बच्चों की जानें जा सकती हैं तो कभी न चढ़ते पुल पर। कभी न खरीदते सत्रह रुपए के टिकट। किसी ने उनको नहीं रोका पुल पर जाने से। किसी ने नहीं उनको बताया कि अभी तक नगर पालिका ने इस पुल के सुरक्षित होने का सर्टिफिकेट नहीं दिया है। जिन्होंने ये बातें छुपा कर रखी थीं उस दिन, उन सब पर लगना चाहिए हत्या का आरोप। कुछ अधिकारी गिरफ्तार हुए हैं अभी तक, लेकिन गायब हो गए हैं उस कंपनी के मालिक, जिनको ठेका मिला था इस एक सौ तैंतालीस साल पुराने पुल की मरम्मत करने का। तामझाम से उन्होंने उद्घाटन किया था पुल का, उसके टूटने से कुछ दिन पहले, लेकिन उसके टूटने के बाद गायब हैं। गुजरात सरकार के आला अधिकारी भी ऐसे चुप बैठे हैं, जैसे कि उनका कोई दोष न हो। दोष सबका है और अगर किसी विकसित देश में यह हादसा हुआ होता, तो वहां के मुख्यमंत्री ने फौरन अपना त्यागपत्र दे दिया होता। यहां उल्टा हुआ। प्रधानमंत्री जिस दिन मोरबी पहुंचे हादसे की समीक्षा करने, उनके बगल में दिखे मुख्यमंत्री। उसके बाद कुछ कहे बिना चले गए। प्रधानमंत्री के आने की खबर सुनते ही मोरबी के स्थानीय अधिकारी अस्पताल की लीपापोती में व्यस्त हो गए। सफाई की गई, पुराने पानी के कूलर निकाल कर नए लाए गए, नए पलंग और चादरें खरीदी गईं, ताकि मोदीजी को खबर न हो कि उनके गुजरात माडल में खामियां हैं बहुत सारीं। नहीं होतीं, तो न पुल टूटता और न बेकसूर लोगों के जीवन ऐसे बर्बाद होते कि आगे की जिंदगी उनकी दर्द से भरी रहेगी। जैसे एक पीड़ित मां ने एक पत्रकार को बताया, मेरा बेटा सात साल का था, वह चला गया, मेरी नौ साल की बेटी थी वह चली गई, मेरे पति नहीं रहे, तो अब जब आप पूछ रहे हैं कि सरकार से क्या मदद चाहती हूं। क्या कर सकती है मेरे लिए अब सरकार? प्रधानमंत्री को पीड़ितों से दूर रखा गया। मोरबी के अस्पताल में मिलाया गया सिर्फ उनसे, जिनको सरकार से कोई शिकायत न थी। इस हादसे से उठते हैं कई सवाल, जो प्रधानमंत्री के कानों तक नहीं पहुंचेंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आलोचना की जरूरत

साहित्य अनेक रूपों में अपने आप में पर्याप्त है। जहां तक साहित्य के निर्माण का सवाल है, उसके लिए संवेदनशील चित्त, व्यापक जीवनानुभव, मानवीय सरोकार और सुरुचिपूर्ण मानवीय संस्कार पर्याप्त हैं। एक पाठक भी इन्हीं कारणों से साहित्य के पास आता है। मगर किसी रचना और उसके पाठ के अच्छा होने की वजह होती है सम्यक आलोचनात्मक दृष्टि। इस अर्थ में हर लेखक और पाठक एक आलोचक भी होता है। वह भी चुनाव करता है। आलोचना इस चुनाव में लेखक और पाठक दोनों की मदद करती है। आलोचना अपना काम ठीक से न कर रही हो, तो अच्छा लिखने और पढ़ने की निरापद जमीन को खोजना कठिन हो जाता है। आलोचना रुचियों का संस्कार करती और साहित्य की संस्कृति के निर्माण में सहायक होती है। आलोचना न हो, तो साहित्य में वह सब जो बेशकीमती है, उसे खोजना और संभालना कठिन हो जाएगा। साहित्य में आलोचक की भूमिका लेखक, पाठक को सीधे तौर पर दिखाई नहीं देती, तो हम उससे इनकार करने लगते हैं। जो वस्तु जितनी जटिल होती है, हम उसके सहज रूप में उतना ही सीमित हो जाते हैं। यह सुविधावादी मानसिकता का अंतर्विरोध है। आलोचक साहित्य के स्वरूप के विधान से लेकर उसे समझने के प्रतिमानों को खोजने तक के गुरुतर काम में पसीना बहाता है। दरअसल, वही होता है जो उसकी परंपरा और संस्कृति का निर्माण करके यह मुमकिन करता है कि कोई कुछ अच्छा लिख सके और किसी को कुछ अच्छा पढ़ने को मिल सके। अच्छी कृतियों को इसी आधार पर पुरस्कृत करना भी उसी आलोचना कर्म का एक पक्ष है। आलोचना को सबसे बड़ी चुनौती मिलती है, अनुकरण की मानसिकता से। मानव समाज नैसर्गिक रूप में दो तरह की प्रवृत्तियों से परिचालित होते हैं। इन्हें हम कौतूहल और मर्यादा कह सकते हैं। एक ओर जिज्ञासा होती है, तो दूसरी ओर अनुशासन। एक ओर सत्य की खोज होती है और दूसरी ओर पाए गए सत्य को संभालने की जरूरत। इस तरह नवीनता और अनुकरण की प्रवृत्तियां एक-दूसरे के पूरक की तरह काम करती हैं। लेकिन इन दोनों के बीच तालमेल और संतुलन का प्रायः अभाव दिखाई देता है। खासकर उन समाजों में, जिन्हें हम सांस्कृतिक दृष्टि से बूढ़े समाज कह सकते हैं। जैसे हमारा देश भारत है। ऐसे देशों में परंपरा के इतने पवित्र और अनुकरणीय रूप संस्कार-बद्ध हो जाते हैं कि नएपन और मौलिक खोज के लिए गुंजाइश ही नहीं बचती। इसकी परिणति एक ऐसे समाज के रूप में होती है, जिसे हम भक्त समाज कह सकते हैं। साहित्य, मनुष्य के रचनात्मक होने की भूख से जन्म लेता है। रचनात्मक होने का मतलब है, परंपरा और अनुकरण जैसी बातों की अहमियत को स्वीकार करने के बावजूद, किसी रूप में नया होने का प्रयास। इसके लिए बुनियादी शर्त है, ऐसी आलोचनात्मक दृष्टि, जो परंपरा और मर्यादा के अनुकरणीय रूपों पर सवाल उठा सके। बता सके कि मानवीय सत्य तक पहुंचने के रास्ते में रुकावट पैदा करने वाले तत्त्व कौन से हैं जो हमें दूसरों का भक्त होने से अधिक, खुद पर यकीन करने की ओर ले जाएं। जो चीजें हमें बांधती हों, उन्हें चुनौती दे सकें और आजाद होने और विकास के वैकल्पिक रास्ते तलाशने में हमारी सहायता कर सकें।

संस्कारों का शंखनाद कार्यक्रम कल

राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा-प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल भी उपस्थित रहेंगी, आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य व आशीर्वचन का भी लाभ प्राप्त होगा

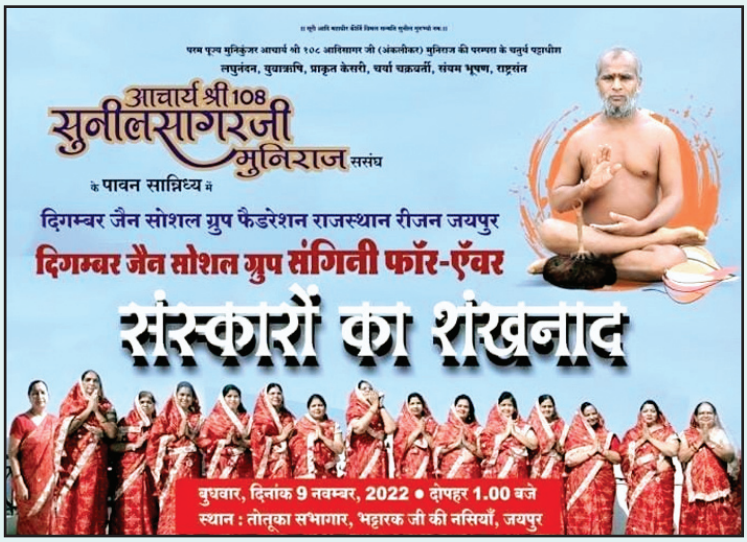

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वाधान में आचार्य सुनील सागर जी वर्षा योग समिति 2022 के सहयोग से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य में कल दिनांक 9 नवंबर को भट्टारक जी की नशीया में **'संस्कारों का शंखनाद'** कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इंदौर से फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश-प्रेमलता कासलीवाल, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश-मनोरमा दोसी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राकेश-कल्पना विनायका जयपुर पधार रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवीन जैन आईएएस शासन सचिव - पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार संस्कारों का जीवन में महत्व पर सारगर्भित उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम में सुशीला-अशोक पाटनी आर के मार्बल का भी सानिध्य प्राप्त होगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रमोद- नीना पहाड़िया अफ्छ ग्रुप , दीप प्रज्वलन कर्ता शांति कुमार - ममता सोगानी जापान वाले, चित्र अनावरण कर्ता त्रिशला गोधा संस्थापक समाचार जगत , की ओजस्वी उपस्थिति रहेगी। महेन्द्र कुमार पाटनी राष्ट्रीय वरिष्ठ परामर्शक, अनिल कुमार - शशि जैन राष्ट्रीय परामर्शक, सुरेन्द्र कुमार - मृदुला पाण्डया राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, नवीन सेन - शशी सेन जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, यश कमल - संगीता अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष, अतुल - निलिमा बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष की गौरवपूर्ण उपस्थिति रहेगी। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि कार्यक्रम मुख्य समन्वयक भारत भूषण अजमेरा, कार्यक्रम समन्वयक मनीष बैद, संगिनी फार एवर ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला विनायका, सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन ने सारी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं रीजन कोषाध्यक्ष पारस जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जयपुर जैन समाज के अनेक गणमान्य महानुभावों की गौरवमई उपस्थिति रहेगी जयपुर स्थित सभी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष, सचिव तथा अनेक महिला व युवा मण्डलो के अध्यक्ष, मंत्री तथा जनकपुरी इमली वाला फाटक जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम बिलाला, मंत्री देवेन्द्र कासलिवाल, सम्यक ग्रुप के संस्थापक महावीर बिनायका, अध्यक्ष महावीर बोहरा, सचिव इन्दर कुमार जैन का सहयोग प्राप्त होगा।

श्रीमती सुशीला पाटनी ने ''संस्कारो का शंखनाद'' के पोस्टर का विमोचन किया

श्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला पाटनी आर के मार्बल के कर कमलो से गोखले मार्ग स्थित श्री दिगंबर जैन पारसनाथ चैत्यालय में पोस्टर का विमोचन करवाते हुए एवं उनके साथ सभी श्राविकाओ को सादर आमंत्रित करते हुए।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, महिला शाखा कार्यकारिणी की बैठक व दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, महिला शाखा जिला अजमेर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक केसर रेस्टोरेंट, हरि भाऊ उपाध्याय नगर में संस्था जिलाध्यक्ष श्रीमती रेणु मित्तल की अध्यक्षता में किया गया। संस्था अध्यक्ष श्रीमती रेणु मित्तल व महासचिव श्रीमती कविता अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रारम्भ में संस्था पदाधिकारियों ने श्री अग्रसेन भगवान की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया इसके बाद अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला शाखा अजमेर के जिला महामन्त्री शैलेंद्र अग्रवाल ने संस्था के गठन के

उद्देश्यों व गतिविधियों पर प्रकाश डाला, तत्पश्चात महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती रेणु मित्तल ने नवगठित जिला कार्यकारिणी का परिचय कराते हुए कहा कि संस्था में अन्य सक्रिय महिलाओं को जोड़कर कार्यकारिणी का विस्तार किया जायेगा। संस्था महासचिव श्रीमती कविता अग्रवाल ने संस्था के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए सभी से सक्रिय सहयोग व रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया। मनोरंजन कार्यक्रम के तहत पदाधिकारियों द्वारा भजन, गीत, हास्य व्यंग की प्रस्तुतियां दी गयी तथा आकर्षक हाउजी आदि गेम्स भी कराये गये तथा विजेताओं को पारितोषिक वितरित किये गये। कार्यक्रम का समापन स्वरुचि भोज के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती रेणु मित्तल, श्रीमती कविता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मिनाक्षी गोयल, सांसकृतिक सचिव पूनम खेतावत, संगठन सचिव हेमलता बंसल, उषा अग्रवाल, संतोष बंसल, संतोष मित्तल, लता अग्रवाल, नीतू पालीवाल, दीपा गर्ग, कामिनी अग्रवाल, गीता गर्ग, शैलेंद्र अग्रवाल, रमेशचंद मित्तल, प्रवीण अग्रवाल, अगम प्रसाद मित्तल आदि मौजुद रहे ।

मेगा विधिक चेतना शिविर सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। आगामी 12 नवंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व रविवार को श्रीनगर में विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रामपाल जाट के मुख्य आतिथ्य में मेगा विधिक चेतना शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलन व स्तुति वंदना के साथ हुआ। पैनल लायर सौरभ सेठी ने विधिक चेतना सम्बंधी जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने लघु नाटिका प्रस्तुत की। विभिन्न योजनाओं में लाभार्थियों को स्वीकृति देते हुए छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप, सर्टिफिकेट पट्टा प्रदान किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रामपाल जाट ने विधिक चेतना सम्बंधी विस्तृत जानकारियां देकर शिविर को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। शिविर में तालुका अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मदनलाल सहारण, श्रीनगर प्रधान श्रीमती कमलेश गुर्जर, पुलिस उप अधीक्षक पूनम भरगढ़, श्रीनगर विकास अधिकारी ताराचंद, तहसीलदार हितेश चौधरी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष फारूख खत्री, पैनल लॉयर सौरभ सेठी व हेमंत प्रजापति तथा सरपंच संघ के अध्यक्ष मानसिंह रावत आदि ने शिरकत की। शिविर में सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों ने भी भाग लिया। शिविर के अंत में तालुका अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मदनलाल सहारण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कला महोत्सव के तीसरे दिन कलाकारों ने चेहरों पर बनाई पेंटिंग्स

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट और प्रतिभा एजुकेशनल डवलपमेंट रिसर्च सोसायटी की ओर से आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय जयपुर कला महोत्सव के तीसरे दिन शिल्पग्राम परिसर में फेस पेन्टिंग, मेहंदी, वॉटर कलर लैंडस्कैप और डांस की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। युवा और वरिष्ठ कलाकारों ने चेहरों पर पेंटिंग्स बनाईं, कला की यथार्थवादी और आधुनिक शैली में पेंटिंग्स बनाई। उन्होंने लैंडस्कैप्स में प्रकृति के विहंगम नजारों को जीवंत किया। मेहन्दी प्रतियोगिता में पूजा सैनी, दीक्षा जैन और कविता चौधरी को विजेता घोषित किया गया।

35 करोड़ की लागत से बनने वाले श्री राधा गिरधारी मन्दिर का शिलान्यास 7 दिसम्बर को

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सनातन धर्म के संरक्षण और संवर्धन के प्रति समर्पित अंतरराष्ट्रीय संस्था इस्कॉन की ओर से नाथद्वारा रोड स्थित चीरवा टनल के पास 3.5 एकड़ भूमि पर करीब 35 करोड़ की लागत से बनने वाले श्री राधा गिरधारी मन्दिर निर्माण का शिलान्यास 7 दिसम्बर को होगा। आचार्य मदन गाविन्ददास ने सोमवार को उदयपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि मोहनपुरा गांव में प्रतिष्ठित सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक केंद्र (इस्कॉन कोवे) शहरवासियों सहित समूचे देश एवं विदेश के मानव समुदाय को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रेरणा के लिए आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से एकलिंगजी एवं नाथद्वारा के निकट होने से यह प्रकल्प अत्यन्त महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस मन्दिर में आश्रम, वैदिक शिक्षण संस्थान, सम्पूर्ण सुविधा युक्त सभागार, उद्यान, गोवर्धन परिक्रमा यमुना रानी एवं युवा छात्रावास की भी योजना के अलावा गोविंदा शाकाहारी रेस्टोरेंट और भविष्य में गुरुकुल एवं गौशाला के निर्माण की योजना भी शामिल है। इस परियोजना का कार्यभार संस्था ने विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी एवं जिम्मेदार भक्तों के सुपुर्द किया है। गौरतलब है कि इस्कॉन मंदिर परियोजना निदेशक(प्रोजेक्ट डायरेक्टर) मदनगोविंद दास, के साथ में व्यवसायी एवं एडवाइजरी कमेटी अध्यक्ष रवि बर्मन, वोलकेम के पूर्व सीईओ एवं उपाध्यक्ष सुतीन्द्र कुमार महाजन, व्यवसायी एंव रोटरी क्लब उदयपुर एवम यूसीसीआई सदस्य राकेश माहेश्वरी,व्यवसायी एवं रोटरी क्लब एलीट के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के अलावा कई अनेक सम्मानित एवं अनुभवी कार्यकारी सदस्य भी स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। बता दें, इस मंदिर के डिजाइन, परिकल्पना और निर्माण कार्य को साकार रूप देने के लिए ख्यात आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा ने खूबसूरत वृंदावन थीम पर इस मंदिर का डिजाइन तैयार किया है यह प्रोजेक्ट 4 से 5 वर्ष में तैयार करने का लक्ष्य है।

रिपोर्ट एवम फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइलः 9829050939

मेहनतकश लोगों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। वाणी संयम अभियान के संस्थापक विपिन कुमार जैन द्वारा एक अनूठी पहल की शुरूआत की गई जिसमे रविवार को जयपुर के अनेक स्थानों पर समाज के प्राथमिक सेवा आधार वाले लोगो पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वाणी संयम अभियान के समर्थक और अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम के अध्यक्ष भागचंद जैन ने हिस्सा लिया और जयपुर में बाइस गोदाम, नारायण सिंह सर्किल, दुगार्पुरा रेलवे स्टेशन, नारायण विहार, त्रिवेणी नगर पुलिया, गोपालपुरा बाई पास ऑटो स्टैंड, अजमेर रोड, एसएमएस मुर्दाघर जैसे अनेक स्थानों पर मेहनत मजदूरी करने वालो, जिसमे ऑटोरिक्शा वाले, शव वाहन चालक, चर्मकार, सफाई कर्मी आदि समाज के आधारभूत सेवाएं करने वाले कमजोर आयवर्ग के लोगो पर 125 कि. ग्रा. पुष्प वर्षा की गई और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

डेंगू बुखार क्या है?

डेंगू बुखार एडीज इजिप्टी मच्छर के काटे से होता हैं। मच्छर के काटने के करीब 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर को पूरी तरह से खत्म करना संभव नहीं हैं। गर्म से गर्म माहौल में भी यह जिंदा रह सकता हैं।

दुनिया के 128 देशों में डेंगू फैला हुआ है। डेंगू से आजतक कोई भी देश आज तक पूरी तरह से इससे मुक्त नहीं हो पाया है। इससे होने वाले बुखार को 'हड्डीतोड़' बुखार भी कहा जाता है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति को बहुत दर्द होता है, जैसे उनकी हड्डियां टूट रही हों। शुरूआत में यह बुखार सामान्य बुखार जैसा ही लगता है, जिसके कारण सामान्य बुखार और डेंगू के लक्षणों में फर्क समझ नहीं आता है। इस बुखार के इलाज में थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। यहां जानिए, इस बुखार के लक्षण और बचाव के तरीके।

कारण

डेंगू बुखार एडीज इजिप्टी मच्छर के काटे से होता है। मच्छर के काटने के करीब 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। डेंगू फैलाने वाले एडीस मच्छर को पूरी तरह से खत्म करना संभव नहीं है। गर्म से गर्म माहौल में भी यह जिंदा रह सकता है। इसके अंडे आंखों से दिखते भी नहीं हैं, जिसके कारण इसे मार पाना आसान नहीं है। पानी के संपर्क में आते ही अंडा लार्वा में बदल जाता है और फिर अडल्ट मच्छर बन जाता है।

बुखार के लक्षण

- ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार चढ़ना
- सिर, मांसपेशियों
- और जोड़ों में दर्द होना
- आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना
- बहुत ज्यादा कमजोरी लगना
- भूख न लगना
- जी मितलाना और मुंह का स्वाद खराब होना
- गले में हल्का-सा दर्द होना
- चेहरे, गर्दन और छाती पर लाल-गुलाबी रंग के रैशेज होना

डेंगू बुखार के प्रकार

सामान्य डेंगू बुखार - इसमें बुखार के साथ तेज बदन दर्द, सिर दर्द खास तौर पर आंखों के पीछे और शरीर पर दाने हो जाते है। यह जल्द ठीक हो जाता है। एक डेंगू बुखार ऐसा भी होता है जिसमें लक्षण नहीं उभरते। ऐसे मरीज का टेस्ट करने पर डेंगू पॉजिटिव आता है लेकिन वह खुद-ब-खुद बिना किसी इलाज के ठीक हो जाता है।

क्लासिकल डेंगू बुखार

यह डेंगू फीवर एक नॉर्मल वायरल फीवर है। इसमें तेज बुखार, बदन दर्द, तेज सिर दर्द, शरीर पर दाने जैसे लक्षण दिखते हैं। यह डेंगू 5-7 दिन के सामान्य इलाज से ठीक हो जाता है।

डेंगू हेमरेजिक बुखार

यह थोड़ा खतरनाक साबित हो सकता है। इसमें प्लेटलेट और वाइट ब्लड सेल्स की संख्या कम होने लगती है। नाक और मसूढ़ों से खून आना, शौच या उल्टी में खून आना या स्किन पर गहरे नीले-काले रंग के चकते जैसे लक्षण भी हो सकते हैं।

डेंगू शॉक सिंड्रोम

इसमें मरीज धीरे-धीरे होश खोने लगता है, उसका बीपी और नब्ज एकदम कम हो जाती है और तेज बुखार के बावजूद स्किन ठंडी लगती है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

जांच

डेंगू की लैबरेटरी जांच में मरीज के खून में ऐंटीजन IgM और IgG व प्रोटीन NS-1 देखे जाते हैं। NS-1 की मौजूदगी से यह पता चलता हैं कि मरीज के अंदर डेंगू वायरस का इंफेक्शन हैं लेकिन जरूरी नहीं कि उसे डेंगू फीवर हो। IgM और IgG में से अगर केवल IgG पॉजिटिव हैं तो इसका मतलब हैं कि मरीज को पहले कभी डेंगू रहा हैं। कभी-कभी इन तीनों में से किसी के भी पॉजिटिव होने पर डॉक्टर मरीज में डेंगू का डर पैदा करके उनसे ठगी कर लेते हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स और PCV दोनों का ध्यान रखना जरूरी हैं। PCV ब्लड में रेड ब्लड सेल्स का प्रतिशत बताता हैं। यह सेहतमंद पुरुषों में 45 फीसदी और महिलाओं में 40 फीसदी होता हैं। डेंगू में बढ़ सकता हैं। इसके बढ़ने का मतलब खून का गाढ़ा होना हैं। अगर PCV बढ़ रहा हैं तो खतरनाक हैं।

मच्छरों को पैदा होने से रोकने के लिए क्या करें

डेंगू के बचाव के लिए मच्छरों को पैदा होने से रोकें और खुद को काटने से भी बचाएं। कहीं भी खुले में पानी जमा न होने दें, साफ पानी भी गंदे पानी जितना ही खतरनाक है। पानी पूरी तरह ढककर रखें, कूलर, बाथरूम, किचन आदि में जहां पानी रुका रहता है, वहां दिन में एक बार मिट्टी का तेल डाल दें। कूलर का इस्तेमाल बंद कर दें। अगर नहीं कर सकते तो उसका पानी रोज बदलें और उसमें ब्लीचिंग पाउडर या बोरिक एसिड जरूर डालें। छत पर टूटे-फूटे डिब्बे, टायर, बर्तन, बोतलें आदि न रखें या उलटा करके रखें। पानी की टंकी को अच्छी तरह बंद करके रखें। सभी जगहों में हफ्ते में एक बार मच्छरनाशक दवाई का छिड़काव जरूर करें।

डेंगू बुखार से बचाव

आउटडोर में पूरी बांह की शर्ट, बूट, मोजे और फुल पैंट पहनें। खासकर बच्चों के लिए इस बात का जरूर ध्यान रखें। मच्छर गाढ़े रंग की तरफ आकर्षित होते हैं इसलिए हल्के रंग के कपड़े पहनें। तेज महक वाली परफ्यूम लगाने से बचें क्योंकि मच्छर किसी भी तरह की तेज महक की तरफ आकर्षित होते हैं। कमरे में मच्छर भगानेवाले स्प्रे, मैट्स, कॉइल्स आदि का प्रयोग करें। मस्किटो रेपलेंट को जलाते समय सावधानी बरतें। इन्हें जलाकर कमरे को 1-2 घंटे के लिए बंद कर दें।

गिलोय का इस्तेमाल

आयुर्वेदिक विशेषज्ञों का मानना है कि डेंगू के मरीज अगर रोजाना थोड़ी मात्रा में गिलोय के रस का सेवन करें तो इससे प्लेटलेट्स की संख्या को घटने से रोका जा सकता है। डेंगू से आराम दिलाने का यह बहुत ही प्रचलित घरेलू नुस्खा है। हालांकि अभी भी इसके वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं हैं। इसलिए गिलोय के रस की खुराक डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लें। डेंगू होने पर बहुत तेज बुखार होता है जिसके लिए आमतौर पर मरीज दोनों टाइम बुखार की दवा खाते हैं। लेकिन आयुर्वेदिक चिकित्सक का मानना है कि अगर आप गिलोय घनवटी या गिलोय के रस का सेवन करें तो तेज बुखार भी जल्दी से ठीक हो जाता है। इसीलिए डेंगू के मरीजों को बुखार से आराम दिलाने के लिए गिलोय के उपयोग की सलाह दी जाती है। प्लेटलेट्स काउंट डाउन होने पर पपीते का रस और बकरी का दूध पीना चाहिए।

जैन सोशल ग्रुप ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन सोशल ग्रुप अजमेर की ओर से रविवार को स्वाद री ढाणी पर दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष रूपश्री व सचिव सुनील दोषी ने सभी का स्वागत करके दीपावली की बधाई दी तथा बीती तिमाही की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

रूपश्री ने बताया कि संगममति माताजी के चातुर्मास के दौरान ग्रुप की ओर से एक वॉटर कूलर भेंट किया गया, जिसमें अशोक टोंग्या, अनिल दोषी, अशोक पहाड़िया व मनीष बाकलीवाल का सहयोग रहा। बीती तिमाही में ग्रुप से जुड़ने वाले नए जोड़े नरेंद्र-मधु गोधा, सोनू-राजुल जैन, पुनीत-निधि जैन का स्वागत किया गया तथा चातुर्मास के दौरान माताजी की पिच्छि लेने वाले श्रेष्ठी प्रदीपजी सरस्वती पाटनी परिवार तथा मुनि संबुद्ध सागरजी महाराज की पिच्छि लेने वाले अर्पित-कृति परिवार का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के करीब 105 लोगों ने भाग लिया। सभी ने इस दौरान कालबेलिया नृत्य, घूमर, भँवई नृत्य, जादू री कला, कठपुतली का खेल, भूलभुलैया, खिलौना ट्रेन, ग्रामीण वातावरण आदि का भरपूर लुत्फ उठाया व जमकर फोटोग्राफी की। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज मडोसिया, अनिल गंगवाल, अशोक गदिया, अनिल पाटनी आदि का भी सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रूपश्री ने किया।

गंभीरा में भव्य मंगल प्रवेश एवं महामस्तकाभिषेक

गंभीरा,बून्दी. शाबाश इंडिया। जिन गुरु ने जीवन शुरू किया मैं उनका गौरव गाता हूँ आचार्य धर्म सागर महाराज जी का चेला हूँ उनकी नगरी गंभीरा में आया हूँ । यह पावन सुअवसर दिनांक 8 नम्बर को 8 बजे आएगा। परम पूज्य आचार्य शिरोमणी श्री 108 धर्मसागर जी महाराज की जन्म स्थली गंभीरा ग्राम में पूज्य गुरुदेव प्रज्ञाश्रमण बालयोगी मुनिश्री 108 अमितसागर जी महाराज संघ का भव्य मंगल प्रवेश दिनांक 08 नवम्बर (कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा) को प्रातः 8:00 बजे मंगल प्रवेश एवं पालकी यात्रा से होगा। प्रातः 9:15 बजे आहारचर्या, दोपहर 1:00 बजे भगवान पार्श्वनाथ महामस्तकाभिषेक एवं श्री जिन सहस्त्रनाम की पूजा की जाएगी। उक्त समस्त जानकारी मंदिर समिति के अध्यक्ष पदम कुमार जैन मंत्री कमलेश जैन ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा को प्रदान की।

आदरणीय श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन पांड्या

को जन्मदिन (8 नवम्बर) पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

मोबाइल
@ 98290 63341

निवास : 477, एकता ब्लाक,
महावीर नगर, जयपुर (राज.)

शुभेच्छु:

सकल दिगम्बर जैन समाज जयपुर

जैन सोशल ग्रूप कोटा ने मनाया देशी स्वैग महौत्सव

कोटा. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रूप कोटा मेन ने रविवार को कोटा क्लब में दीपावली मिलन देशी स्वैग महौत्सव मनाया। अध्यक्ष डॉक्टर समीर सपना मेहता ने बताया कि कार्यक्रम में 125 परिवार ने भाग लिया। प्रोजेक्ट डाईरेक्टर नरेंद्र- वंदना सर्राफ ,राकेश-सुनीता ऐम्बिशन, मनोज- पूजा सेठिया,सुनील- सुनीता नगेदा,राहुल -वर्षा, कौशल -गायत्री व महावीर -अनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थानी थीम से सजावट की थी। अनेको मजेदार गेम ,लजीज भोजन ,फोटो बूथ आदि से सभी ने भरपूर आनंद लिया। बेस्ट कपल,बेस्ट ड्रेस ,सर्प्राइज गिफ़्ट्स व अनेको मेल फीमेल कॉम्पटिशन मुख्य आकर्षण रहे ।कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन, राजकुमार जैन, मनीष पाटनी,नरेश पण्ड्या,सुशील बिलाला , नरेश निशा जैन,अरविंद जैन व पंकज सेठी उपस्थित थे ।सचिव गरिमा- शैलेश गोधा ने सबको धन्यवाद दिया।

श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव एवम सहस्त्र चंडी पाठ का आयोजन बुधवार से

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया। नगर में बुधवार से श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव एवम सहस्त्र चंडी पाठ का आयोजन होगा। श्री अंबिका माता सेवा समिति के तत्वावधान में अखिलेश राव तावरे परिवार की ओर से सात दिवसीय आयोजन के क्रम में बुधवार प्रातः 9 बजे श्री राम कॉलोनी से अंतर्राष्ट्रीय राम स्नेही संप्रदाय संत श्री शंभूराम जी महाराज के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। श्री अंबा माता परिसर में बुधवार से 15 नवम्बर तक आयोजित इस सप्त दिवसीय श्री मद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव एवम सहस्त्र चंडी पाठ कार्यक्रम अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर 11 से 3 बजे तक विविध धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को संत श्री शंभू राम जी महाराज के मुखारविंद से श्री मद भागवत महात्यम के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

भगवान के स्मरण से जीवन की सभी बाधाएं स्वत: ही दूर हो जाती हैं : वसुन्धरा राजे

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने सोमवार को साध्वी ऋतंभरा की श्रीमद् भागवत कथा मे हिस्सा लिया और कथा श्रवण किया। राजे ने कहा कि भगवान का स्मरण करने से जीवन में जो भी बाधाएं आती हैं, वे स्वतः ही दूर हो जाती है। इसलिए जब भी समय मिले भागवत कथा जरूर सुनें तथा अपने बच्चों को भी सुनाएं, जिससे आने वाली पीढ़ियां आस्थावान और संस्कारवान बन सके। उन्होंने कहा कि द्रोपदी ने अपनी लाज की रक्षा के लिए कृष्ण का स्मरण किया तो भगवान ने उसकी लाज बचाई। भगवान ने स्वयं कहा था कि जो भक्त मेरे शरणागत है, उनकी सहायता के लिए मैं हर समय तत्पर हूं। 24 साल पहले साध्वी ऋतंभरा ने वृंदावन में वात्सल्य ग्राम की स्थापना की थी। जहां बेसहारा बच्चों को माता और बेसहारा माताओं को बच्चों से मिला कर एक परिवार स्वरूप जिंदगी जीने का अवसर दिया जाता है। उनकी यह पहल बेसहारों के लिए मां के आंचल की छांव बन रही है। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से ना केवल मन का शुद्धिकरण होता है, बल्कि हृदय के अन्तःकरण में शांति स्थापित होती है तथा दुखों से मुक्ति मिलती है।

अपनी कमी को ढाकने के लिए लोग बड़ों को बीच में ले आते हैं: मुनि पुगव श्री सुधासागरजी महाराज

ललितपुर समाज ने किया चांदखेड़ी कमेटी का सम्मान

पाठशाला के दल ने मुनिश्री को श्री फल भेंट किए

ललितपुर. शाबाश इंडिया। लोग अपनी कमी को ढाकने के लिए बड़ो को बीच में ले आते हैं उन पर आरोपित कर अपनी कमी को छूपा लेते हैं जो पाप कुल परम्परा से चल रहा है उसे छूडाना बहुत मुश्किल है हमें अपनी कमी को दूर करने के लिए आगे आना चाहिए भारत देश में परम्परा के नाम पर क्या क्या हो रहा है आप सब जानते हैं कितनी धर्म आध्यता फैलीं है आज भी इतना समझाने पर मृत्यु भोज वंद नहीं हो रहा जिंदा में जिसे पानी नहीं पिलाया उसका मृत्यु भोज जरूर करते हैं मत करो ये सब मिथित्व की परम्परा इनको छोड़े ।जिस गुरु के प्रवचन सुन रहे हो उस गुरु को पकड़े विश्वास करें इनसे तुम्हारा कुछ भी नहीं होगा विश्वास करें तुम्हारा मन बहुत बेईमान है नव्वे प्रतिशत लोगों का मन बेईमान है अपने मन को संभालना है सही मार्ग पर चलें उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि ललितपुर चातुर्मास में पांच सौ से अधिक कलशों की स्थापना की गई जो चातुर्मास निष्ठापन के वाद सभी को भेंट किये जा रहें हैं । कोटा समाज को जिज्ञासा समाधान में मुनिश्री के सान्निध्य में वषायोग में स्थापित मंगल कलश हुकम काका को भेंट किया ।इस दौरान ललितपुर समाज के अध्यक्ष अनिल अंचल, निर्माण संयोजक दादा शीलचंद अनोरा, संयोजक राजेन्द्र थनवारा, संयोजक पंकज पार्षद, अनिल मुछड़, जीवन मीरचवाड़ ने तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष हुकम काका, मध्यप्रदेश महा सभा के संयोजक विजय धुर्रा, गोपाल जी एडवोकेट, अजय वाकलीवाल, नरेश वेद सहित अन्य अतिथियों का माला साल श्री फल से सम्मान किया । श्री सर्वोदय विद्यासागर पाठशाला के बच्चो के साथ पाठशाला कमेटी के महामंत्री मांगीलाल महू, कोषाध्यक्ष प्रसन्न कुमार, पाठशाला की दीदी आयुषी जैन, सावी दीदी, तनू दीदी, साक्षी दीदी, यशा दीदी, कान्ता दीदी, कुशुम दीदी सहित सभी विद्यासागर पाठशाला के बच्चो ने मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के चरणों में श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।इस दौरान मुनिश्री पूज्य सागरजी, ऐलक श्री धैर्य सागरजी, क्षुल्लकश्री गंभीरसागर जी महाराज का मार्ग दर्शन प्राप्त किया। इसके बाद पाठशाला परिवार ने सोनागिर तीर्थ की वंदना कर धर्मोदय तीर्थ गोलाकोट पहुंची ।जहां झांसी महिला मंडल नगरा की अध्यक्ष श्रीमति प्रमिला जैन ने पाठशाला में अपनी निःशुल्क सेवा देने वाली बहनों का शाल उड़ाकर सम्मान किया वहीं बच्चो अपने पोते पीयूष धुर्रा आदि युवराज धुर्रा सहित सभी को गिफ्ट भेंट किए।

5 दिवसीय एक्यूप्रेशर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

राजमल पाटनी चैरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता मुंबई के द्वारा प्रकाशचंद व आदित्य पाटनी की ओर से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में सोमवार को 5 दिवसीय एक्यूप्रेशर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर 7 से 11 नवंबर तक रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पांड्या धर्मशाला में आयोजित होगा। शिविर प्रभारी महक पाटनी ने बताया कि शिविर में डॉ. विनोद कुमार एवं उनकी टीम गठिया, लकवा, माइग्रेन, साइटिका, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द, वजन घटाना, बवासीर आदि रोगों का ईलाज एक्यूप्रेशर पद्धति से किया जाएगा । शिविर में फिजियोथैरेपिस्ट कुलदीप वर्मा की भी सेवा रोगियों को मिलेगी। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रकाशचंद पाटनी शिलोंग व स्वागताध्यक्ष श्री दिगंबर जैन समाज के संरक्षक खेमचंद बगड़ा थे । अध्यक्षता नगर परिषद सभापति निलोफर गौरी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि गोपालपुरा सरपंच सविता राठी ,पार्षद इदरीश गोरी, समाजसेवी डूंगरमल गंगवाल, अशोक छाबड़ा इम्फाल,पार्षद सुनीता रावतानी, पार्षद मधु बागरेचा,पार्षद प्रतिनिधि सौरभ पीपलवा, समाजसेविका श्रीमती सरला देवी पाटनी, श्रीमती प्रेमलता देवी बगड़ा,झंवर स्कूल की प्राचार्य श्रीमती कुसुम शर्मा रहे। अतिथियों ने भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर व फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि पाटनी ने कहा कि मानव सेवा को उत्तम कर्म मानकर समिति व ट्रस्ट द्वारा जो सेवा प्रकल्प किए जा रहे हैं वे अतुलनीय है। सभापति गोरी ने कहा कि समिति द्वारा समय समय पर अनेक तरह की जन हितार्थ सामाजिक गतिविधियां की जा रही है जिसके लिए समिति साधुवाद की पात्र है। इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक विमल कुमार पाटनी, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य संतोष गंगवाल, पारसमल सेठी, सरोज पाटनी, महावीर छाबड़ा, सरोज पांड्या, धर्मेंद्र गंगवाल, अंकित पाटनी मोहित सेठी, अमित पांड्या,श्रीमती सुमित्रा सोगानी,श्रीमती इंद्रा देवी बाकलीवाल श्रीमती ममता पांड्या, श्रीमती वीणा देवी छाबड़ा,श्रीमती शकुंतला देवी बगड़ा, श्रीमती सीमा देवी बगड़ा, श्रीमती सुनीता देवी बगड़ा,निशा पांड्या,शैली बगड़ा,मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी, मैना देवी पाटनी, मंजू देवी बाकलीवाल, लालचंद बगड़ा ने किया।

पण्डित रतनचंद भारिल्ल पुरस्कार हेतु प्रविष्टि आमंत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

'सहजता दिवस' अध्यात्म रत्नाकर पं.रतनचंद जी भारिल्ल के जन्मदिवस को यादगार बनाने हेतु 21 नवम्बर को मनाया जाता है। उनके निधन के पश्चात गत दो वर्ष से समाज के श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करने का उपक्रम प्रारंभ किया है। इस श्रृंखला में 'अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ' द्वारा 'शिक्षा/साहित्य/पत्रकारिता' के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'पण्डित रतनचंद भारिल्ल पुरस्कार' से पुरस्कृत किया जाता है। इच्छुक अपना बायोडाटा 15 नवम्बर-22 तक उपलब्ध करा दें ताकि चयन समिति विचार कर सके।

-डा.अखिल बंसल, महामंत्री, अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ